कार्यालय प्रबंधन एवं नेतृत्व विकाश

Ofiice Management & Leadership Development

राजेश कुमार साहू

प्रभारी व्याख्याता

सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र, रायपुर (छ.ग.)

सहकारी प्रबंधन

- भूमिका
- कुछ सहकारी संस्थान के उदाहरण
- कार्यालय–प्रबंधन क्या है?
- प्रबंधन में मानव संसाधन की भूमिका
- प्रबंधन के तत्व
- गतिविधियां
- नेतृत्व विकाश

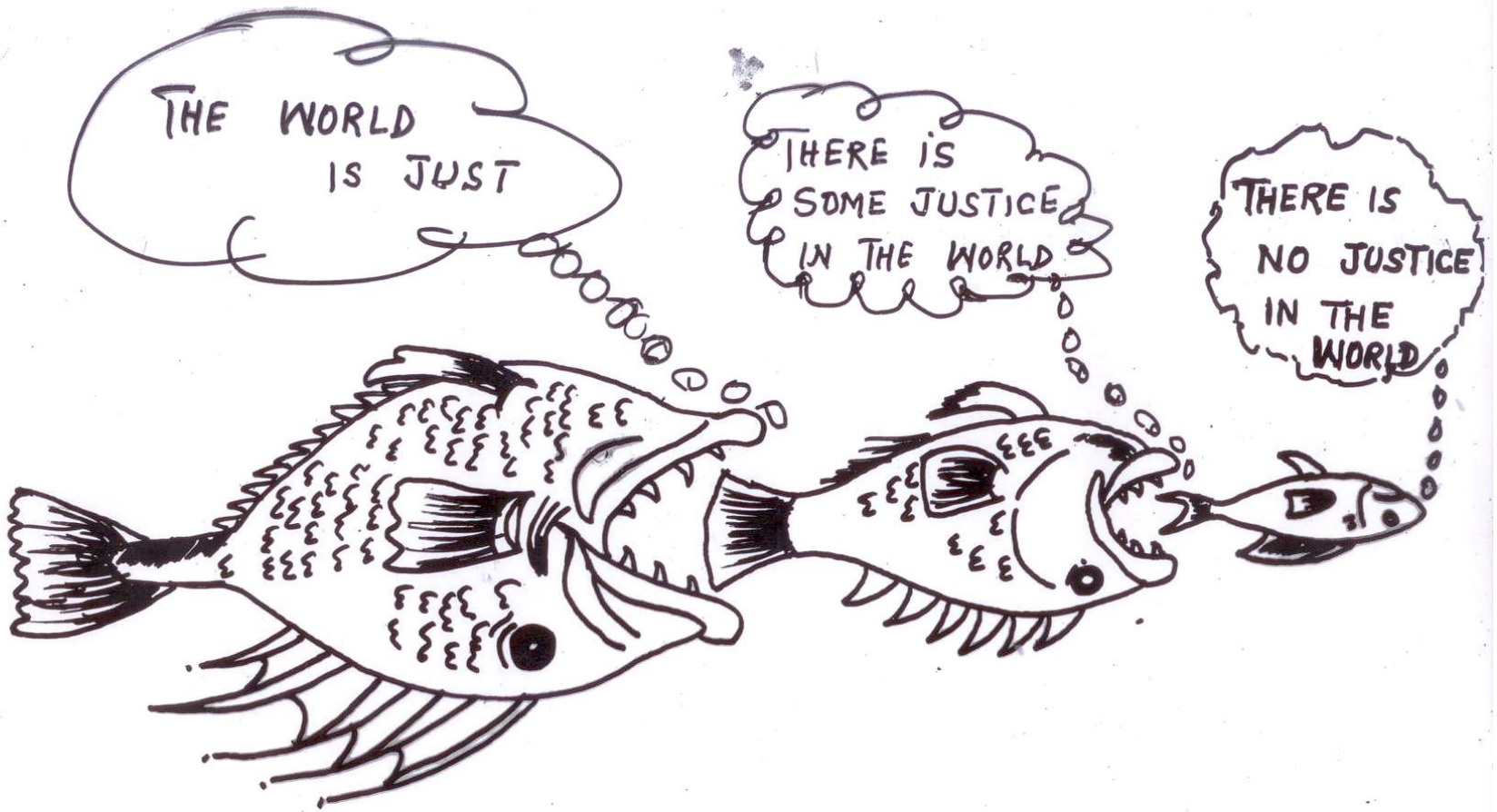
THE WORLD IS JUST
THERE IS SOME JUSTICE IN THE WORLD
THERE IS NO JUSTICE IN THE WORLD

समाज का जंगल राज

WORKING IN TEAM IS THE ONLY

STRATEGY FOR MAKING THE

UNFIT TO SURVIVE.

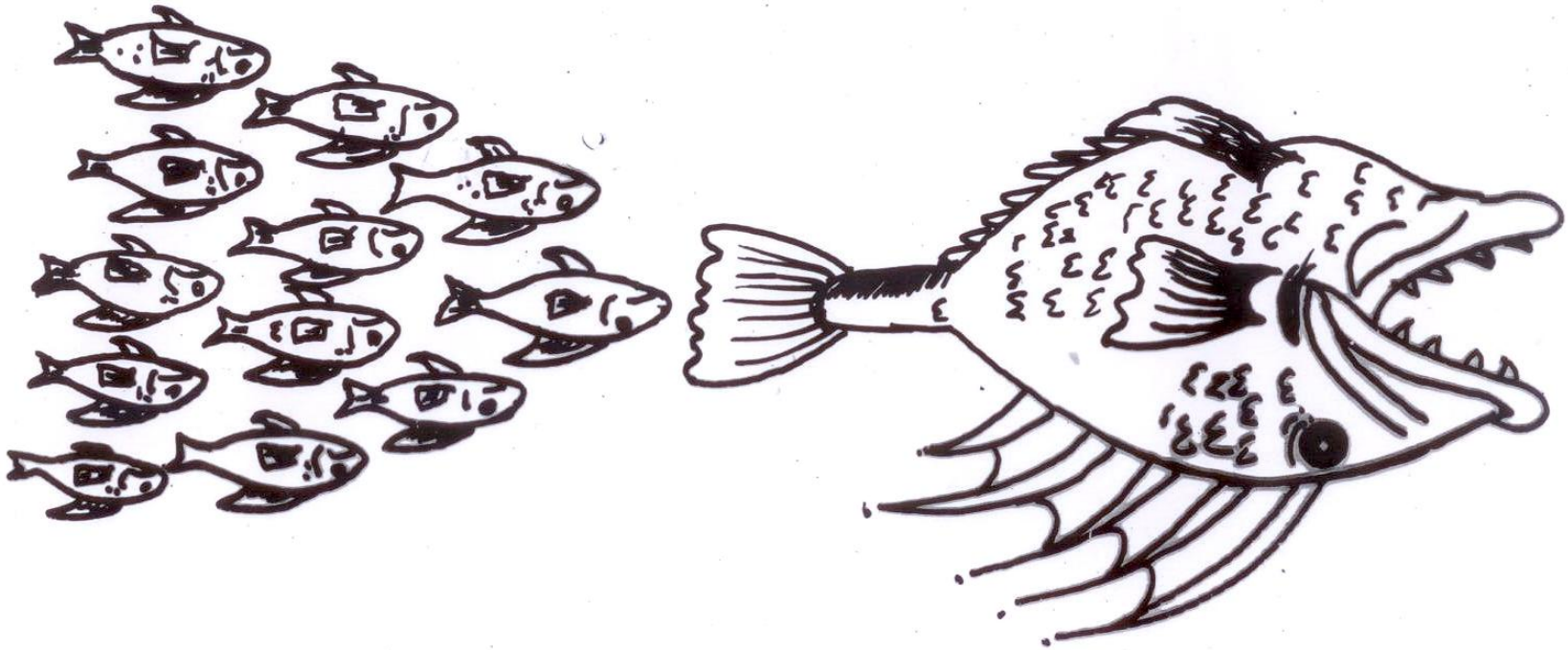

कुछ सहकारी संस्थान के उदाहरण

IFFCO

Amul
The Taste of India

KRIBHCO

INDIAN COFFEE HOUSE

MULKANOOR CO-OPERATIVE
Credit & Marketing Society Ltd

MOTHER DAIRY

Flora

महेश बैंक
ESTD. 1978

कार्यालय–प्रबंधन क्या है?

- कार्यालय :–
  - आफिस जो के उद्देश्य अनुरुप प्रसाशनिक कार्य कर संस्था का प्रतिनिधित्व करता है – नर्वस सिस्टम
  - भौतिक रूप में जो होता है वही दिखाई देता है– संरचना/आकर्षण
    - उदाहरणः– स्कूल , कालेज की भौतिक बनावट, फैकल्टी
  - मार्डन आफिस – मार्डन तकनीक के जरिये (इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों एवं सॉफ्टवेयर का अधिकतम उपयोग)
    - उदाहरण :– ईमेल, सॉफ्टवेयर, टीम मैनेजमेंट, अधिक पेशेवर कर्मचारी
  - प्रबंधन **(Management)**
    - **Man + Mangement**
    - **Mangement – Minimum Input & Maximum Output**
    - **मुख्य बिन्दु :– 0नियत उद्देश्य 0उपलब्ध संसाधन 0अपेक्षित लक्ष्य**
    - **सामूहिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपना श्रेष्ठतम योगदान**

Process of Management

- Planning
- Organizing
- Staffing
- Directing
- Controlling
  - Step by Step Process
  - Efficiency : - सही काम सही समय पर
  - Effectiveness :- कम लागत पर सही काम

1. **Planning :-** उद्देश्यों को पहले निश्चित करना एवं दक्षता से मार्ग निर्धारित करना
   - क्या करना है? कैसे करना है? कौन करेगा ?
2. **Organizing :-** निर्धारित नियोजन के क्रियान्वयन हेतु काय सौपना,काय को समूह में बाँटना, अधिकार निश्चित करना एवं संसाधनों का आबंटन करना
   - संगठन का ढाँचा
   - किसके द्वारा ? कहा ? और कैसे ?
3. **Staffing :-** उचित व्यक्ति को ढढना
   - सही व्यक्ति सही काय हेतु
     - गुण
     - योग्यता शैक्षणिक
     - अनुभव
     - श्रम शक्ति के अभाव में सही क्रियान्वयन संभव नहीं

4.Directing :- नेतृत्व एवं मार्गदर्शन

- **Supervision** :- काम किस प्रकार करना है ? शिक्षा–प्रशिक्षण (शिक्षा में निवेश, शस्त्र से बड़ा शास्त्र)
- **Communication** :- अनौपचारिक संचार, औपचारिक संचार
- **Leadership:-** दूसरे लोगों को प्रभावित करना
- **Motivation :-** उत्साह संर्वधन / प्रेरणा
  - आर्थिक – उदा. बोनस
  - अनार्थिक – उदा. अवकाश

5. Controlling :- नियत्रण

- जो अपेक्षित परिणाम आने चाहिए वो आ रहे हैं? की नहीं ?
- सुधारात्मक कायवाही कर एवं समीक्षा कर आगामी त्रटियों को कम करना

प्रबंधन द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व को पूरा करने में योगदान– (लम्बे समय तक बने रहने हेतु आवश्यक)–

- ✓ Customer:- सही चीज, सही समय पर, सही दाम में
- ✓ Creditors
- ✓ Government (नियम, अधिनियम के दायरे में)

प्रबंधन में मानव संसाधन की भूमिका

- मानव संसाधन की अहम् भूमिका
- सभी कार्यो का प्रभावशाली संपादन –
  - समिति प्रबंधक, सहायक समिति प्रबंधक, लेखापाल, लिपिक, कैशियर, विक्रेता एवं चौकीदार द्वारा किया जाता हैं।
- उपरोक्त सभी गतिविधियों को प्रबंधन के तत्वों तथा इनके सिद्धान्तों के अनुरुप संचालित करना होता है।
- समिति प्रबंधन के तत्वों का सही ज्ञान सभी को होना आवश्यक नहीं, अनिवार्य है।

प्रबंधन के तत्व

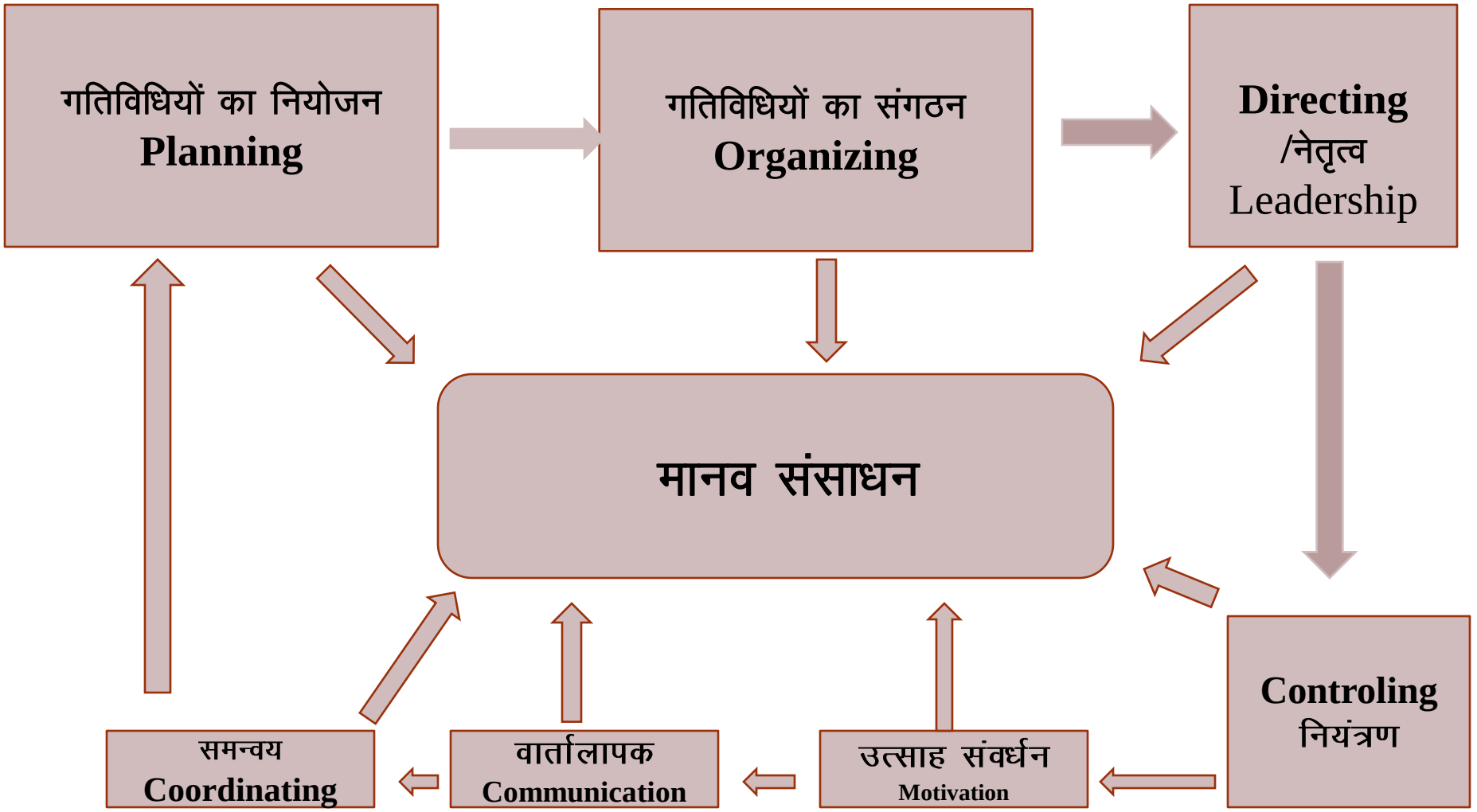
गतिविधियों का नियोजन
Planning
गतिविधियों का संगठन
Organizing
Directing
/नेतृत्व
Leadership
मानव संसाधन
Controling
नियंत्रण
उत्साह संवर्धन
Motivation
वार्तालापक
Communication
समन्वय
Coordinating

कं	गतिविधि 1.	कार्य
1	इनपुट सामाग्री में भूमिका	स्वंय की संस्था की
2	यू एस पी	स्वंय की संस्था की
3	उच्च मानकों वाली विशेषज्ञता जो प्रोत्साहित करती है	स्वंय की संस्था की
4	उस संस्था को चिन्हित करें जिससे आपको निम्नलिखित सीखने के लिए जुड़ना होगा	
5	अच्छी गुणवत्ता वाले इनपुट सामाग्री के उत्पादन और उसके व्यापारीकरण में विशेषज्ञता वाले प्रदाता का चयन	इनपुट सामाग्री प्रदाता की जानकारी
6	इनपुट सामाग्री में सही बहुलीकरण/रेंज	अधिक से अधिक
7	सदस्यों व फसल उत्पादकों के लिए प्रशिक्षण	
8	इनपुट सामाग्री प्रदाता का एक बड़ा नेटवर्क	हर संस्था में, किस व्यक्ति से संपर्क करना है और उसका पता (ई मेल और टेलीफोन नं सहित)

उदाहरण

क्रं	गतिविधि 2. अन्य संस्थाओं के साथ जुड़ने के तरीके	कार्य
1	सर्वोत्तम ग्राहक सेवा	
2	सर्वोत्तम इनपुट सामाग्री प्रदाता का नेटवर्क	सूची, नेटवर्क बनायें
3	सर्वोत्तम इनपुट सामाग्री प्रदाता, फोकल क्षेत्र मंच, स्थानिय सरकार, मुख्य किसान (राजनीतिक किसान नहीं), बीज कम्पनिया, और सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि, अधिकारी	बैठक बुलाएँ. अपनी कार्य पुस्तिका में बैठक के परिणाम लिखें
4	सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों की एक क्षेत्रीय बैठक इसका उद्देश्य महत्वपूर्ण कृषि सम्बंधित प्राथमिकताओं पर आवाज उठाना और विशेषज्ञताओं का आदान–प्रदान करना	विशेषज्ञताओं का आदान–प्रदान करना

कार्यालय प्रबंधन :

- **कार्यालय प्रबंध क्या है ?**
  - कायस्थल पर कर्मचारियों को काय करने के लिय उपयुक्त वातावरण प्रदान करना
  - किय जाने वाले काय को टीम में विभाजित कर प्रत्यक कर्मचारी का पारस्परिक अधिकार व दायित्व स्थापित करना।
- **कार्यालय के काय** :– दो भागों में बांटा जा सकता है :–

  1. प्राथमिक कार्य– रिकार्डों का संधारण

  (अ) सूचना प्राप्त करना।

  (ब) सूचनाओं का संगठन।

  (स) सूचनायें प्रदान करना। (Customer/Creditors/Govt.)

  (द) सूचनाओं का अभिलेख (Filing/R-records/Web Server)

क्रमशः

रिकार्ड–

1.रिकार्ड का अर्थ –

- लिखित परिपत्रों
- विलेखों (Deed),
- रजिस्टर (Proceedings, Inward- Dispatch, Stocks, Salary, Purchase-Sales, Employee Related Attendance, Leave, Employee's Service Reg.)
- विवरणियां – Returns / वापसी, लाभ, प्रतिफल, प्रतिदान रिपोर्ट,
- पत्र व्यवहार
- लेखा प्रपत्रों व कार्य विवरणों (Cash book, Ledger, Receipt & Deposit, Trial balance, Balance Sheet)

क्रमशः

6. जनसम्पर्क कार्य – अपनी सेवाओं एवं योजनाओ का प्रचार–प्रसार मुनादी कर / फ्लेक्स / पाम्पलेट / ब्रोसर

- **पत्र व्यवहार**
  - किसी दूसरे व्यक्ति से किसी विषय पर **लिखित रूप से सम्प्रेषण** करना।
  - व्यापारिक संस्था को अनेक **पक्षकारों** जैसे कि ग्रहक, दूसरी संस्थायें, इत्यादि **से पत्र व्यवहार**
  - सभी व्यक्तियों से मिलना न तो संभव होता है और न ही व्यावहारिक।
  - प्रत्येक कार्यालय को **बाहरी व्यक्ति या संस्थाओं** से लिखित पत्र व्यवहार करना आवश्यक
  - चूंकि पत्र सोच समझकर लिखे जाते हैं अतः उसमें **गलती की संभावना कम** रहती है और, किसी भी बात को **अधिक निश्चितता** से **लिखा जा सकता** है जो कि **प्रमाणिक** भी होता है।

क्रमशः

2.रिकार्डों का महत्व–

- मनुष्य से संबधित समस्त सचूनायें उसके **मस्तिष्क में एकत्रित**
- उसी प्रकार किसी संस्था से संबंधित **समस्त सूचनायें उसके रिकार्डों में एकत्रित** रहती है।
- किसी कार्यालय का **प्रबधं** केवल **रिकार्डों से प्राप्त जानकारियों** तथा तथ्यों से चलाया जा सकता है।
- इसलिये कार्यालय प्रबधं को **रिकार्ड व्यवस्था के नवीनतम ढंगों का ज्ञान** होना चाहिए।
- यदि **संग्रहीत रिकार्डों को चुस्तप्राय करने की व्यवस्था** हो तो कार्यालय प्रबधं का कार्य बहुत आसान हो जाता है।

क्रमशः

2 गौण कार्यः– सहायक कार्य

1. संप्रेषण :–उद्देश्य अनुरूप योजनाएं/लक्ष्य/सेवाएं

(अ) आन्तरिक संप्रेषण– संस्थाओं के भीतर ही बोर्ड/पदाधिकारी सदस्य/कर्मचारी

(ब) बाहृय संप्रेषण– उक्त से पृथक (Customers, Clients, Suppliers, Investors, Partners And Other Stakeholders)

2. कार्य व्यवस्था व कार्यप्रणाली निश्चित करना।

3. लेखन सामग्री और मशीनों व उपकरणों का प्रबंध

4. संस्था की सम्पत्ति की सुरक्षा हेतु आवश्यक पहल करना व उनका अभिलेख करना (दस्तावेजीकरण/वेब/क्लाउड/ई सिक्योरिटी–कैमरा)

5. कर्मचारियों का चयन, प्रशिक्षण तथा पारिश्रमिक।

कार्यकुशल प्रबंधक हेतु आवश्यक बातें

- **सशक्त पारस्परिक सवांद** –एक प्रबंधक को अच्छे सवांद कायम करने में कुशल होना आवश्यक है ताकि वह अपनी बाते समझा सके और दूसरे की बात समझ सके।

उपाय –

- **अच्छी लेखन क्षमता** –उपयुक्त शब्द चयन के साथ साथ हम क्या समझाना चाह रहे हैं लेखन में स्पष्ट होना चाहिये। लेख व्यक्ति को रूचिकर लगना चाहिये । कम शब्दों में अभिव्यक्ति
- **कम्प्यटूर का ज्ञान होना** – कम्प्यटूर न केवल ज्ञान को बढाता है बल्कि कार्य को सुव्यवस्थित एवं सही भी रखता है।

उपाय –MS Office, Power Point Presentation, Data Representation (Pictorial/Chart/Diagram)

- **आशावादी एवं बर्हिमुखी** – व्यक्ति का कार्य न केवल उत्पादक बल्कि आनंद दायक भी होना चाहिये । एक अच्छा प्रबंधक हमेशा घुलमिलकर रहे एवं कभी भी निराशावादी नहीं होना चाहिये ।

- **टीम को साथ लेकर चलने वाला** – अकेला व्यक्ति हर काम नहीं कर सकता, लेकिन एक टीम कोई भी कार्य कर सकती है। टीम के साथ कार्य करने वाला ही सच्चा प्रबंधक होता है। अपने कर्मचारियों एवं साथी कार्यकर्ताओं के साथ रोजाना वार्तालाप एवं उनके सुझावों पर गौर करना आवश्यक है।

  उपाय – कार्य बाँटकर,जिम्मेदारी देकर,विश्वास करके, नेतृत्व विकास

- **समस्या का हल ढूंढना** – समस्या क्यों उत्पन्न हो रही है इसका कारण तो कोई भी बता सकता है, बेहतर प्रबंधक समस्या का कारण नहीं बल्कि, हल ढूढंता है।

- **प्रदर्शन एवं कार्य को समटेना** – कोई व्यक्ति कार्य बहुत अच्छा करता है किन्तु उसे प्रदर्शित करना नहीं आता है तो उस अच्छे कार्य का अर्थ नहीं रह जाता है। इसके साथ आपकी रिपोर्ट रूचिकर एवं सार्थक होनी चाहिये। Eg. DPRCCG

प्रबंधकीय कौशल का विकास सभी व्यवसायिक संगठनों के लिये एक आवश्यकता है चाहे वह संगठन सहकारी हो या पूंजीवादी।

नेतृत्व विकाश

- **लीडरशिप :– Personal Not Positional**

किसी **बड़े उद्देश्य (Aim)** को पूरा करने के लिए **लोगों के व्यवहार** (Behaviour) **को बदलकर** उनको **साथ में लेकर चलने की कला** को नेतृत्व कला कहतें हैं। अर्थात लीडरशिप एक कला है जिसे सीखना पड़ता है।

1. **निर्णयन की क्षमता–ढुलमुल नहीं**
2. **प्रोत्साहित करने की क्षमता**
3. **भावनात्मक स्थायित्व**
4. **मानव संबंधों का ज्ञान– सहानुभूति/कठोर–नरम/सुख–दुःख**
5. **व्यक्तिगत उत्प्रेरणा– सकारात्मक सोंच**
6. **संचार–कौशल– अभिव्यक्ति की कला**
7. **शिक्षा देने की योग्यता– प्रशिक्षण शिक्षण**
8. **सामाजिक कौशल– लोगों को एकजुट रखने का कौसल**
9. **विधिक दक्षता– विधि–विधायी,वैधानिकता, कानून का ज्ञान**
10. **अच्छा श्रोता**

नेतृत्व विकाश

लीडरशिप की आवश्यकता :–

- जैसे–जैसे संगठनों का विकास होता जा रहा है, उनके **प्रबंध की समस्या भी जटिल** होती जा रही है।
- संगठन में **लक्ष्यों** की प्राप्ति के लिए **नेतृत्व अनिवार्य** है। (प्रबंधक – नेतृत्व कौशल)
- एक अच्छे प्रबंधक का एक **अच्छा नेता** होना जरुरी है।
- प्रबन्ध के विकास का एक महत्वपूर्ण पहलू नेतृत्व क्षमता के विकास से जुड़ा हुआ है । प्रबन्ध पर ही संगठनों के लक्ष्यों को प्राप्त करने का उत्तरदायित्व होता है, और इस हेतु उसे **नेतृत्व की क्षमता** का परिचय देना होता है ।
- अधीनस्थों को **प्रोत्साहित** करना, समस्या का **तत्काल हल** निकालना और **तकनीकी परिवर्तनों** से संगठन का अनुकूलन बैठाना नेतृत्व पर निर्भर है ।
- जहां राजनीतिक एवं प्रशासनिक संकट गहरा है, वहां नेतृत्व की आवश्यकता अधिक होती है, क्योंकि यह संकट नेतृत्व के संकट से अधिकांशतया जुड़ा होता है ।

Leadership

तीन बुनियादी गुणों से उपर उठना :–

1. तमस

- यांत्रिक रुटिन पंसद
- बदलाव विरोधी
- अडियल, अकुशल, परम्परागत, धीमा, गंभीरता रहित,
- भय युक्त, दूसरों के प्रति रुखा

2. राजस

- कठोर कार्य करना पसंद पर परिणाम पर आशंका
- अच्छे–बुरे में फर्क कर सकने में सक्षम पर लालच में जल्दबाजी वस जानबूझकर बुरा चुनना

3. सत्व

- उत्साही काम में संतुलन
- गतिविधियां बहुत सोंच विचार दिखाना
- कर्तव्य जिम्मेदारी नैतिकता का गहरा बोध
- उच्च मापदंड
  - उदा. रतन टाटा,गुलजार, वारेन बफेट
- सफलता पर न अधिक आंनदित न असफलता पर हतासा
- संतुष्ट एवं शांत
- किसी एक गुण का प्रभुत्व अधिक
- उपायः– व्यक्तिगत प्रयासों से बदला जा सकता है
- महत्वपूर्ण –राजस एवं सत्व का मिश्रण महत्वपूर्ण पदों पर बैठे व्यक्ति हेतु महत्व पूर्ण
- योगः कर्मसु कौसलं
- अहंकार एवं इक्च्छाओं से लगाव के कारण सत्व के तटस्थ

एक अच्छे विक्रेता के सामान्य लक्षण

1) **व्यवस्थित हैं(Systematic)—** यह धोखा दे रहा है जो सोचता है कि बिक्री सिर्फ एक चाल है और अच्छे लोग हैं। उत्कृष्ट विक्रेता लोग **चरण–दर–चरण बिक्री प्रणाली (STP)** और जाने–माने मेट्रिक्स बनाते हैं यह देखने के लिए कि वे अच्छा कर रहे हैं या नहीं।

2) **पहले सुनो–** वे अच्छे विक्रेता नहीं हैं जो बहुत बात करते हैं, बल्कि, जो लोग अपने ग्राहकों को समझते हैं और सुनते हैं, उनकी जरूरत पूरी होती है और हां, एक आदर्श उत्पाद या सेवा पेश करते हैं।

3) **लगातार अध्ययन–** उच्च प्रदर्शन वाले विक्रेता हमेशा अध्ययन करते हैं कि उनके उत्पादों और सेवाओं का पोर्टफोलियो हमेशा बेहतरीन विकल्प प्रदान करता है। अपने ग्राहकों का सहानुभूति पूर्वक सबसे अच्छा समाधान बताकर वास्तविक बंधन बनाने या अपनी प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने के लिए सर्वोत्तम बिक्री प्रथाओं का अध्ययन करते है।

4) **लगातार सिखाओ–** एक अच्छा विक्रेता, विशेषज्ञता के क्षेत्र में एक विशेषज्ञ होता है। जो लोग तदनुसार कार्य करते हैं वे अधिक बिक सकते हैं क्योंकि वे न केवल अपने **ग्राहकों की वर्तमान मांगों को पूरा करते हैं बल्कि उनके पास मौजूद जानकारी के माध्यम से नए उत्पन्न** करते हैं।

5) **ईमानदारी से बातचीत** –जब विक्रेता अपने ग्राहकों की आवश्यकता जानता है और उनकी संख्या और उत्पादों को भी जानता है, तो वे अपने ग्राहकों के साथ खुलेआम और ईमानदारी से बातचीत कर सकते हैं, जो स्थायी और भरोसेमंद रिश्ते बनाते हैं।

ग्राहक पल (Customer moment at each stage) के 4 चरण

- **कृपया ध्यान दें**– यह पहला क्षण है जब ग्राहक अभी भी ऐसी किसी चीज की तलाश में है जो आपकी सेवा कर सके और आपको उनका ध्यान मिल सके।

- **ध्यान** – ध्यान देने के बाद, ग्राहक आपके पास जो कुछ भी हो, उसमें दिलचस्पी हो सकती है या नहीं। यदि वह रुचि रखता है, तो आप यह जानना चाहेंगे कि यह कैसे काम करता है और आपके विकल्प।

- **निर्णय**– आपको आवश्यक जानकारी के साथ, ग्राहक आपके विकल्पों की तुलना करेगा और उत्पाद / सेवा और आपूर्तिकर्ता जो आपको प्रसन्न करता है, पर निर्णय लेगा।

- कार्य– अंत में, आपके निर्णय के साथ, ग्राहक आपकी की खरीदी करता है।

व्यापार विस्तार के तरीके?

- तकनिकी ज्ञान
- प्रचार–प्रसार
- क्रॉस सेलिंग
- प्रदर्शनी
- आउटसोर्स (अन्य की दुकान में अपने उत्पाद का प्रदर्शन एवं बिक्री)
- ई कॉमर्स के माध्यम से बिक्री :– माई गवर्न्मेंट डाट कॉम ,अमेजन, फ्लिपकार्ट अन्य प्लेटफॉर्म से।

क्रॉस सेलिंग बनाम अतिरिक्त बिक्री

- **अंतिम लेकिन कम से कम नहीं,** क्योंकि वे सामान्य बिक्री लक्ष्य हैं जो किसी भी प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं, भले ही कॉर्पोरेट या प्रो उपभोक्ता, चाहे आंतरिक या बाहरी, क्रॉस–सेलिंग और अतिरिक्त हैं। हमारे पास हर दिन उस तरह के प्रस्ताव रहते हैं, लेकिन हम उन्हें नाम देने से कभी नहीं रोकते हैं। उदा.– कंस्यूमर स्टोर में कैश काउंटर के पास छोटे छोटे जरुरी उत्पाद रखना, सिनेटरी शॉप में बाथरूम फिटिंग्स जैसे कपडा टांगने की खूंटी, साबुनदानी, चाबी टांगने की खूंटी, आइना इत्यादि

- **क्रॉस बेचना (Cross Selling)**

क्या वह बिक्री है जिसमें विक्रेता औसत ऑर्डर टिकट बढ़ाने के लिए एक **पूरक उत्पाद** पेश करना चाहता है। उदाहरण के लिए, आप एक लंच प्लेट का ऑर्डर करते हैं और वेटर पूछता है कि **क्या आप कुछ पीना चाहते हैं!** उस बिंदु पर, उन्होंने एक क्रॉस बिक्री की और उनके अनुरोध के मूल्य में वृद्धि की, जो इस सरल सुझाव के बिना कम हो सकता था।

मंडे पॉजिटिव

कंस्ट्रक्शन के क्षेत्र में महिलाओं की अनोखी पहल, छह महीने पहले अपनी एक अलग कंपनी बनाई

देश की पहली कंस्ट्रक्शन कंपनी, जिसमें आर्किटेक्ट, राजमिस्त्री से लेकर पेंटर तक सभी महिलाएं हैं; काम का समय भी निर्धारित

केरल की यह कंपनी दो मकान बना चुकी है, तीन मकानों का काम जारी है

पूजा नायर पी | कोझीकोड (केरल)

कंस्ट्रक्शन साइटों पर अब तक आपने ठेकेदार, सुपरवाइजर, राजमिस्त्री या पेंटर सिर्फ पुरुष ही देखे होंगे, लेकिन केरल की महिलाओं ने इस ट्रेंड को बदलकर रख दिया है। 30 महिलाओं ने पिंक लैडर (गुलाबी सीढ़ी) नाम की कंस्ट्रक्शन कंपनी बनाई है। पिंक लैडर जिस भी कंस्ट्रक्शन साइट पर काम करती है, वहां एक भी पुरुष नजर नहीं आता। बिल्डिंग के डिजाइन से लेकर पेंटिंग तक सारा काम महिलाएं करती हैं। 1 नवंबर 2018 को शुरू हुई यह कंपनी दो मकान बना चुकी है, तीन और मकानों पर काम चल रहा है। पिंक लैडर की संयोजक नीतू राजन ने बताया, 'पहले हमने एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में आर्किटेक्चर, फ्लोरिंग, पेंटिंग करने वाली टीमों से छह महीने की ट्रेनिंग ली। उसके बाद हमें काम मिला। इसे हमने समय पर पूरा किया। फिर हमें प्रोजेक्ट मिलने शुरू हो गए।' पिंक लैडर के प्रोजेक्टों में फ्लोरिंग का काम करने वाली 5 महिलाओं की टीम लीडर श्रीजा बताती हैं कि अब तक महिलाएं सिर्फ मजदूरी करती थीं। हमने इस सोच को गलत साबित किया है। मैं राजमिस्त्री हूं। हमें केरल में बाढ़ के बाद नए घर बनाने की परियोजनाओं को शुरू करने के लिए बुलाया गया था।

पिंक लैडर की टीम अभी 3 इमारतों में काम कर रही है।

महिलाओं को असमान वेतन के खिलाफ बनाई अपनी कंपनी

पिंक लैडर सरकार के सहयोग से कुदुम्बश्री मिशन (महिला सशक्तिकरण आंदोलन) के तहत शुरू की गई कंपनी है। कुदुम्बश्री इकाई के परियोजना अधिकारी रामसे इस्माइल ने बताया कि ट्रेनिंग की कमी के अलावा, असमान वेतन, काम का अनिश्चित समय और यौन उत्पीड़न जैसी समस्याएं भी आम बात है। इन बातों को ध्यान में रखकर कुदुम्बश्री की महिलाओं ने एक अलग पहल की है। उन्होंने काम का समय भी निर्धारित कर रखा है।

पहला वुमन मॉल, जहां सभी 100 शोरूम की मालिक महिलाएं हैं

केरल में ही एक ऐसा मॉल बना है, जहां सभी क्रू मेंबर महिलाएं हैं। कोझीकोड में 36,000 वर्ग फीट क्षेत्र में 5 करोड़ की लागत से बने इस मॉल में 100 दुकानें हैं। सभी दुकानों की मालिक महिलाएं हैं। यहां फूड कोर्ट, गेम जोन, ब्यूटी पार्लर, बुटीक, ज्वैलरी शॉप, मिनी सुपरमार्केट, डायग्नोस्टिक सेंटर, परिवार परामर्श केंद्र, डे-केयर सेंटर, रूफटॉप रेस्टोरेंट, महिला बैंक, केरल राज्य महिला विकास निगम का दफ्तर और कार वॉश शॉप है।

भास्कर स्पेशल रिपोर्ट

केरल की पहली ऑर्गेनिक पंचायत कांजीकुझी से...

केरल की इस पंचायत के 8000 परिवार सिर्फ ऑर्गेनिक सब्जियां ही उगाते हैं; सालभर में 40,000 टन सब्जियां बेचीं, 160 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ

मंडे पॉजिटिव

बाबू पीटर | कांजीकुझी (केरल)

2018 में 40,000 टन से ज्यादा ऑर्गेनिक सब्जियां उगाने वाली केरल की एक पंचायत पूरे राज्य के लिए आदर्श बन गई है। कांजीकुझी के 8000 से ज्यादा परिवार सिर्फ ऑर्गेनिक सब्जियां उगाते हैं। पिछले साल करीब 160 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ। इससे हर परिवार की करीब 2-2 लाख रुपए कमाई हुई। कांजीकुझी को केरल की पहली ऑर्गेनिक पंचायत बनने में दो दशक लगे हैं।

दरअसल 18 वार्डों वाली इस पंचायत के लोगों का प्रमुख काम कॉयर (नारियल की जटा) बनाने का था। इसकी कम होती मांग ने लोगों की आर्थिक स्थिति बिगाड़ दी। पंचायत प्रमुख एनजी राजू बताते हैं कि लोगों की रुचि खेती में बिल्कुल नहीं थी। फल-सब्जियों के लिए दूसरे राज्यों पर ही निर्भर रहना पड़ता था। यहां की जमीन रेतीली है, बेहद सूखी और खेती के लिए बिल्कुल बेकार है। ऐसे में लोगों को खेती के लिए मनाना आसान नहीं था। राजू बताते हैं कि 1995 में पंचायत ने हर घर के लिए सब्जी उगाना अनिवार्य कर दिया। पंचायत द्वारा ही बीज और जरूरी सहायता दी गई। उद्देश्य यह था कि पंचायत के लोग आय के दूसरे विकल्पों की ओर देखें। लगातार निगरानी और लोगों की सक्रिय भागीदारी से कांजीकुझी ने सफलता की कहानी रच दी।

इन फार्मों में पत्तागोभी, बैंगन, टमाटर फूलगोभी और सभी तरह की हरी सब्जियां प्रमुखता से उगाई जाती हैं।

खेती के लिए तैयार नहीं थे, अब राज्य के श्रेष्ठ किसान

इसी पंचायत में रहने वाले दिव्या और ज्योतिष ने शादी के बाद एक एकड़ जमीन खरीदकर ऑर्गेनिक सब्जी उगाना शुरू किया। ज्योतिष बताते हैं कि वह खेती के लिए तैयार नहीं थे, सबसे बड़ी समस्या सब्जी बेचने की थी। ऑटो में सब्जियां लेकर जाना पड़ता था। लेकिन बिक्री केंद्र खुलने के बाद यह आसान हो गया है। दिव्या को 2014-15 के लिए राज्य की सर्वश्रेष्ठ किसान का अवॉर्ड मिला है। अब वह पंचायत की सदस्य भी है।

दिव्या और ज्योतिष

ऑर्गेनिक खेती: सबसे ज्यादा किसान भारत में, 4000 करोड़ रुपए का बाजार

- दुनिया में ऑर्गेनिक खेती करने वाले किसान 27 लाख हैं। इनमें 8.35 लाख भारत में हैं। दूसरे नंबर पर युगांडा (2.10 लाख) और तीसरे पर मेक्सिको(2.10 लाख) है।
- 2016 में 6.21 लाख करोड़ के ऑर्गेनिक उत्पाद बेचे गए। 2022 तक 18 लाख करोड़ की इंडस्ट्री हो जाएगी।
- भारत में ऑर्गेनिक उत्पादों का बाजार 2018 तक 4000 करोड़ रुपए का है। 2020 तक इसके 12,000 करोड़ रुपए तक होने का अनुमान है।

(स्रोत: वर्ल्ड ऑफ ऑर्गेनिक कल्चर रिपोर्ट-2018, इंडियाई, एसोचैम)

मार्केटिंग का ऐसा फंडा, महिलाओं ने खोल ली खुद की फैक्ट्री, तीन माह में सवा करोड़ का बिजनेस बिना किसी मदद के

प्रशासनिक रिपोर्टर | रायपुर

गांव की या स्व सहायता समूह चलाने वाली महिलाएं अब पापड़, आचार या बड़ी का कारोबार नहीं करती बल्कि मार्केटिंग के नए फंडे से खुद की फैक्ट्रियां खोल ली हैं। बिना किसी बैंक लोन या सरकारी आर्थिक मदद के महिलाओं ने ऐसी मार्केटिंग की तीन महीने में ही सवा करोड़ से ज्यादा का बिजनेस कर लिया। रायपुर जिले में ऐसा पहली बार हुआ जब महिलाओं ने न केवल बड़े कारोबार शुरू किए बल्कि उनसे मुनाफा भी कमाया। बिना किसी खास ट्रेनिंग के तिल्दा, आरंग, अभनपुर और धरसींवा 254 ग्रुप की महिलाओं करीब तीन महीने पहले जून में नया कारोबार शुरू किया।

254 ग्रुप में शामिल 6350 महिलाएं अब दूसरी महिलाओं को भी रोजगार दे रही हैं। महिलाओं ने तिल्दा के अड़सेना गांव में सेनेटरी पैडी की फैक्ट्री शुरू की है। फिल्म पैडमैन की तरह यहां की महिलाएं भी आधी कीमत पर गांव और शहर में सेनेटरी पैड की बिक्री कर रही है। पैड बनाने से बाजार में बेचने तक काम महिलाएं खुद कर रही हैं। इसी तरह मंदिरहसौद के रायखेड़ा गांव में महिलाओं ने पेवर ब्लॉक की फैक्ट्री खोली है। उनकी फैक्ट्री में बने पेवर ब्लॉक आसपास की फैक्ट्रियों के अलावा शहरों में बिक रहे हैं। राजधानी के कई बड़े बिल्डर इन्हीं पेवर ब्लॉक का उपयोग अपनी योजनाओं में कर रहे हैं। ऐसा पहली बार हुआ जब महिलाओं ने खुद से अपना कारोबार फैलाया है।

हर बड़ी दुकान, होटल और स्कूल-कॉलेज के ऑर्डर

ग्रुप में शामिल महिलाओं का दल हर दिन राजधानी आता है। यहां के बड़े होटलों में दूध, दही, खोवा समेत कई चीजों की सप्लाई, बड़े स्कूल-कॉलेजों में शिक्षण सामग्री, हॉस्टलों के मेस में मसाले, लांड्री, सब्जी, किराना सामान इसके अलावा सरकारी संस्थानों में जरूरी चीजों के ऑर्डर लिए जाते हैं। तीन महीने में महिलाओं के ग्रुप को 379 बड़े ऑर्डर मिल चुके हैं। कारोबारियों का दावा है कि महिलाओं का ग्रुप जिस तरीके से सामान की सप्लाई करता है वो बेहद शानदार है। उनके हर चीज की क्वालिटी दूसरी कंपनियों से बेहतर है। महिलाओं के इस ग्रुप को तीन महीने में ही एक करोड़ 20 लाख 48 हजार 345 रुपए के आर्डर मिल चुके हैं। महिलाओं का दावा है कि आने वाले तीन महीने में आर्डर दो करोड़ से ज्यादा का हो जाएगा।

इतने गांव की महिलाएं शामिल

तिल्दा में: कोटा, बेलदारसिवनी, सांकरा, बंगोली। आरंग में: रसनी, चंदखुरी, गुल्लू, भैंसा। अभनपुर में: खोरपा, बेंद्री, मानिकचौरी, पोंड। धरसींवा में: सिलयारी, मांढ़र, धरसींवा, माना।

नए ग्रुप को करा रहे लिंकेज

ये महिलाएं खुद ही सामान बनाती है। ऑर्डर लेने के बाद सप्लाई के लिए भी खुद ही जाती हैं। तीन महीने में ही इनका ग्रुप 100 से बढ़कर 400 से ज्यादा हो गया। अब इनमें 1038 और नए ग्रुप को लिंकेज कराया जा रहा है। इनमें 96122 परिवारों को जोड़ा जाएगा। हर महिला ग्रुप का अपना कारोबार होगा। **दीपक सोनी,** सीईओ जिला पंचायत

बिहार की राजकुमारी देवी (किसान चाची)

अचार बेचने बाजार जाने पर समाज से बाहर हुईं; अब प्रोडक्ट विदेश जाते हैं

आनंदपुर (मुजफ्फरपुर)| ये हैं बिहार की 63 वर्षीय राजकुमारी देवी, जिन्हें लोग किसान चाची पुकारते हैं। मुजफ्फरपुर जिले के आनंदपुर गांव में रहने वाली राजकुमारी की शादी 1974 में हुई थी। लंबे समय तक संतान नहीं हुई तो ससुराल में ताने सहे। 1983 में बेटी पैदा हुई, तब भी ताने ही मिले। घर से अलग कर दी गईं। खेती करने लगीं। वैज्ञानिक तरीके अपनाए। अचार-मुरब्बा बनाकर साइकिल से बाजार बेचने जाने लगीं। महिला का बाजार जाकर उत्पाद बेचना समाज पचा नहीं पाया। बहिष्कार कर दिया। लेकिन, वह रुकीं नहीं। 2003 में किसान मेले में उनके उत्पाद को पुरस्कार मिला। सीएम घर आए। अब किसान चाची के साथ 250 महिलाएं जुड़ी हैं, जो अचार-मुरब्बा तैयार करती हैं। अब वह साइकिल के बजाए स्कूटी से चलती हैं। उनके प्रोडक्ट विदेशों में निर्यात होते हैं।

अमिताभ केबीसी में बुला चुके हैं, मोदी तारीफें कर चुके हैं

2006 में किसान श्री सम्मान मिला। यहीं से किसान चाची नाम पड़ा। वाइब्रेंट गुजरात-2013 में आमंत्रित की गईं। तब मुख्यमंत्री रहे नरेंद्र मोदी ने उनका फूड प्रोसेसिंग मॉडल सरकारी वेबसाइट पर डाला। 2015 और 2016 में अमिताभ बच्चन ने केबीसी में बुलाया था।

सिटीजन स्कीम

महिला ई-हाट

महिलाएं ऑन लाइन प्रॉडक्ट बेचकर शुरू कर सकती हैं अपना बिज़नेस

ज्यादातर महिलाओं को घर बैठे कुछ न कुछ बनाने का शौक रहता है, उनका ये शौक बिजनेस का रूप ले सकता है। इसके लिए केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ई-हाट के माध्यम से मुफ्त में व्यवसाय करने का मौका दे रहा है। महिला ई-हाट पर 30 राज्यों की 32 हजार से अधिक महिला उद्यमी जुड़ी हुई हैं। इस ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 7120 प्रोडक्ट डिस्प्ले किए गए हैं। इस योजना में किसी भी वर्ग व समुदाय की महिलाएं ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराकर अपना व्यवसाय शुरू कर सकती हैं। इस पोर्टल पर उत्पादों को 30 दिन के लिए प्रदर्शित किया जाएगा। 30 दिन के ब्रेक के बाद सभी उत्पाद दोबारा प्रदर्शित किए जा सकते हैं। इस योजना का उद्देश्य महिला कारोबारियों की कला और सोच को बढ़ावा देना है। ग्रामीण इलाके की कुटीर उद्योग से जुड़ी महिलाओं द्वारा बनाए गए सामान ग्राहकों तक सीधे पहुंचाने के लिए उनके इस ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जा सकता है। ई-हाट में भाग लेने वाले अवैध माल या तस्करी के सामान प्रदर्शित नहीं कर सकेंगे वरना कानूनी कार्रवाई होगी।

• **यह है रजिस्ट्रेशन की प्रक्रियाः** महिला ई-हाट से जुड़कर बिजनेस करना चाहते हैं तो इस लिंक http://mahilaehaat-rmk.gov.in/en/join-us/ पर क्लिक करें। यहां मांगी गई जानकारी भरनी होगी। इसके लिए आपके पास आधार नंबर होना जरूरी है। बाकी ब्योरे भरने के बाद आप जैसे ही अंत में सबमिट करेंगे तो आपका रजिस्ट्रेशन हो जाएगा। इस फॉर्म को डाउनलोड कर आवश्यक जानकारियों के साथ महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को भी भेज सकते हैं। इसके बाद इनमें से आपके भेजे गए उत्पादों का चयन किया जाता है, जिसके बारे में आपको सूचना दी जाती है। इसके बाद आपको स्वीकृति पत्र भेजकर सहमति देनी होती है।

महिला ई-हाट में भाग लेने के लिए नियम और शर्तें

Mahila E-haat
Towards a new dawn

- महिला भारतीय नागरिक हो, वह स्वयं सहायता समूह की हो, महिला उद्यम का नेतृत्व किया हो।
- उम्र 18 वर्ष से अधिक होना चाहिए।
- सामान एवं उसकी गुणवत्ता की जिम्मेदारी पूरी तरह प्रतिभागी/ विक्रेता की होगी। राष्ट्रीय महिला कोष की इसमें कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
- उत्पाद में कोई कमी पाई जाती है तो उसका समाधान विक्रेता को करना होगा। समय पर माल की डिलीवरी के साथ ही अच्छी सेवा देना विक्रेता महिला की जिम्मेदारी होगी। सरकार तो महिलाओं को सिर्फ प्लेटफॉर्म दे रही है।
- ई-हाट में भाग लेने वाले सभी लोगों को विदेश में सामान की बिक्री के लिए सरकार द्वारा जारी सभी नियमों का पालन करना होगा।
- नियम और पात्रता की शर्तें राष्ट्रीय महिला कोष (आरएमके) के विवेकाधिकार पर किसी भी समय बदली जा सकती हैं।
- विक्रेताओं को दाम खुद तय करने की पूरी छूट होती है। साथ ही प्रॉडक्ट की क्वॉलिटी और वैधता की भी जिम्मेदारी लेनी होती है।

• **ऐसे शुरू करें बिजनेसः** रजिस्ट्रेशन करने के बाद आपको एक यूजर आईडी और पासवर्ड बनाना पड़ता है, जिससे आप अपना अकाउंट मेंटेन कर सकें। बिजनेस शुरू करने के लिए आपने जो भी प्रॉडक्ट बनाया है, उसका अच्छा सा फोटो 'महिला ई-हाट पोर्टल' पर अपलोड कर दें। इस फोटो के साथ ही प्रॉडक्ट की डिटेल और कीमत दर्ज कर दें।

• **ऐसे मिलेगा ऑर्डरः** यदि किसी खरीदार को आपकी बनाई वस्तु और कीमत पसंद आ जाती है तो वह वेबसाइट पर दिए गए आपके फोन नंबर या ईमेल आईडी पर सीधे संपर्क कर सकेगा। इस पोर्टल पर ऑनलाइन पेमेंट की सुविधा भी है। आप खरीददार से ऑनलाइन पेमेंट करने के लिए भी कह सकती हैं। साथ ही अपने प्रॉडक्ट भेजने के लिए इंडिया पोस्ट पार्सल सर्विस की सहायता भी ले सकती हैं। इसके लिए लिंक http://mahilaehaat-rmk.gov.in/en/india-post-parcel/ पर इंडिया पोस्ट से एग्रीमेंट भी कर सकती हैं।

• **ई-हाट में ये प्रॉडक्ट्स बेच सकती हैंः** महिला ई-हाट में प्रॉडक्ट्स को 18 श्रेणी में बांटा गया है। आप इनमें से एक या अनेक कई कैटेगरी के उत्पाद दिखा सकती हैं। जैसे कि- कपड़े, बैग, फैशन एसेसरीज या ज्वैलरी, फाइल फोल्डर, डेकोरेटिव और गिफ्ट आयटम, किराना एवं अनाज या ऑर्गेनिक फूड, बास्केट, नेचुरल प्रॉडक्ट्स, बैकिंग वाले खाद्य पदार्थ, बेडशीट-पर्दे, होम डेकोर का सामान, कई तरह के खिलौने। इसके अलावा अन्य उत्पादों की डिटेल आप दे सकती हैं। इस योजना में 554 सेवाओं और सामान की लिस्ट मौजूद है। ई-हाट पोर्टल पर वेब डिजाइनिंग, कंप्यूटर ट्रेनिंग, नेल आर्ट, हेयर कट जैसी सेवाओं को शामिल करने की योजना भी है।

रजिस्टर कराने के लिए फॉर्म भेजने का पता

महिला ई-हाट | महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001 | इसके अतिरिक्त आप इन फोन नंबर- 011-26944884, 26567187, 26567188 पर कॉल करके अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

बेटी होने पर हो अभिमान इस उद्देश्य से सहकारी समिति के माध्यम से चल रहा काम

जयपुर में हाथों हाथ बिका जशपुर का अचार चार हजार महिलाओं की मेहनत रंग ला रही

मंडे पॉजिटिव

आशीष मिश्रा | जशपुरनगर

बेटी होने पर हो अभिमान उद्देश्य से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने जिले में बेहतर तरीके से काम हो रहा है। बेटी बहुउद्देशीय सहकारी समिति ने इस अभियान में बहुत कम समय में ही 4000 से अधिक महिलाओं को स्व-रोजगार से जोड़ दिया है। जिले के सभी आठ विकासखंडों में इस समिति के माध्यम से महिलाओं का समूह काम कर रहा है। हैंडमेक में प्रोडक्ट में कैमिकल का इस्तेमाल नहीं होता इसलिए इनके बनाए प्रोडक्ट की डिमांड हर कही है। जशपुर के पुष्कर मेले में इनके बनाए आचार हाथों-हाथ बिक गए।

अगस्त 2018 में इस सहकारी समिति ने काम शुरू किया और अब तक जिले भर में 400 महिला समूहों को जोड़ चुकी है। हर एक समूह से औसतन 10 महिलाएं काम कर रही है। समिति की अध्यक्ष विजय विहार पैलेस की बहू डॉ. हीना सिंह जूदेव हैं, जिनके मार्गदर्शन में समूह की महिलाएं सहकारी संस्था से जुड़कर अचार बनाने, बड़ी, पापड़, चिप्स, नमकीन आदि बना रही हैं। सहकारी समिति की उपाध्यक्ष रूबी शर्मा ने बताया कि उन्होंने समिति में महिला समूहों को जोड़ने का काम किया है। पूर्व में विभिन्न उद्देश्यों से जिले भर में महिला समूहों का गठन किया गया था।

घर में बैठकर चिप्स पैक करती सोसायटी की महिलाएं व टेबल में रखा अचार।

ट्रेनिंग देकर बनाया योग्य | महिलाओं को पहले ट्रेनिंग देकर योग्य बनाया गया। अब अधिकांश महिलाएं अचार बनाने का काम कर रही हैं। इसके लिए सामान सहकारी समिति ही देती है। महिलाएं सिर्फ उसे तैयार करती हैं। इसके एवज में उन्हें हर प्रॉडक्ट की एमआरपी का 15 से 20 प्रतिशत भुगतान किया जाता है। समिति के संचालक मंडल में सविता मिश्रा, मंजू श्रीवास, प्रतिभा कश्यप, निद्रावती चौहान, अनुपमा नंदे, डॉ हेमंती यादव, सुमिता सिंह, डॉ. अनुपमा सिंह और सुखमनी चंद्राकर शामिल हैं।

महिलाओं को मिला है बेहतर प्लेटफार्म

घरेलू महिलाओं को एक बेहतर प्लेटफार्म सहकारी समिति के माध्यम से दिया जा रहा है, ताकि महिलाएं घर बैठे रोजगार से जुड़ सकें और अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकें। जशपुर की बेटियों को बेटी होने पर अभिमान हो इस लक्ष्य को लेकर काम किया जा रहा है।

डॉ हीना सिंह जूदेव, अध्यक्ष, बेटी बहुउद्देशीय सहकारी समिति।

पति से खेत लेकर लगाए अदरक, आय चार गुना बढ़ी

जशपुरनगर | शहर से 8 किलोमीटर दूर सिटोंगा की सीता यादव की पहल ने उसके परिवार की आमदनी इस वर्ष चार गुना बढ़ा दी है। सीता ने अदरक के उत्पादन से होने वाले फायदों को पढ़ा और पति से एक सीजन के लिए खेती की जिम्मेदारी मांगी। सीता के पति पहले अपनी बाड़ी में आलू व हरी सब्जी लगाया करते थे। सीता ने बाड़ी के एक एकड़ जमीन पर अदरक लगवाया और खुद उसकी देखरेख की। नतीजा एक एकड़ में जितने आलू उगते थे, उससे कहीं अधिक अदरक का उत्पादन हुआ। सीता के पति एक एकड़ में लगे आलू को 20 हजार में बेचते थे, वहीं इस वर्ष एक एकड़ में लगे अदरक की कीमत उन्हें 80 हजार रुपए मिले हैं। सीता ने बताया कि उसने अदरक उत्पादन की विधि व उससे होने वाले फायदे के बारे में मोबाइल के किसी लिंक पर पढ़ा था। यह भी पता चला कि अदरक की खेती में मेहनत कम और फायदे ज्यादा है।

घर में भंडारित अदरक के साथ सीता यादव।

सोसायटी बनाएं, कोल्ड स्टोरेज खोलें सरकार देगी सब्सिडी : भूपेश बघेल

कोसरिया, मरार पटेल समाज के कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

भास्कर न्यूज | राजिम

मेला मैदान में रविवार को प्रदेश कोसरिया मरार पटेल समाज ने शाकंभरी महोत्सव और युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया। मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि मरार पटेल एक मेहनतकश समाज है। इस समाज के लोग केवल दस डिसमिल जमीन में अपनी मेहनत से साग-भाजी पैदाकर परिवार का पालन-पोषण कर लेते हैं। सब्जियों के अधिक उत्पादन के लिए आधुनिक पद्धतियों से समाज को जुड़ने की जरूरत है और इसके लिए शिक्षा भी जरूरी है।

उन्होंने कहा कि मरार पटेल समाज सोसायटी बनाकर सामूहिक रूप से सब्जी-भाजी का व्यवसाय कर सकते हैं। पटेल समाज के लोगों द्वारा सब्जियों के संरक्षण के लिए कोल्ड स्टोरेज की मांग पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर पटेल समाज के लोग मिलकर सोसायटी बनाते हैं, तो उन्हें शासन से कोल्ड स्टोरेज के लिए सब्सिडी दी जाएगी। मिलकर बड़ी मात्रा में साग-सब्जियों का उत्पादन कर बिक्री के लिए प्रदेश से बाहर भेजा जाए तो सब्जियों की अधिक कीमत मिलेगी। इस अवसर महासमुंद लोकसभा सांसद चंदूलाल साहू ने कहा कि समाज के विकास में शिक्षा का विशेष महत्व है। ऊंची सोच के साथ समाज तरक्की कर सकता है। पटेल मरार समाज आगे बढ़े, शिक्षित हो और संगठित हो, यही शुभकामना है। विधायक अमितेश शुक्ल ने पटेल समाज को बधाई देते हुए कहा कि आज राज्य सरकार नई ऊर्जा, उत्साह और विश्वास के साथ मुख्यमंत्री के नेतृत्व में काम कर रही है। मरार समाज के मेहनतकश लोग महानदी और पैरी नदी के तट पर सब्जी भाजी का उत्पादन करते हैं, लेकिन रेत खनन से उन्हें कई बार परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब इन परेशानियों से छुटकारा मिलेगा। अब उनके द्वारा उत्पादित सब्जी-भाजी के लिए कोल्ड स्टोरेज का निर्माण भी किया जाएगा, जिससे उन्हें और ज्यादा लाभ मिलेगा।

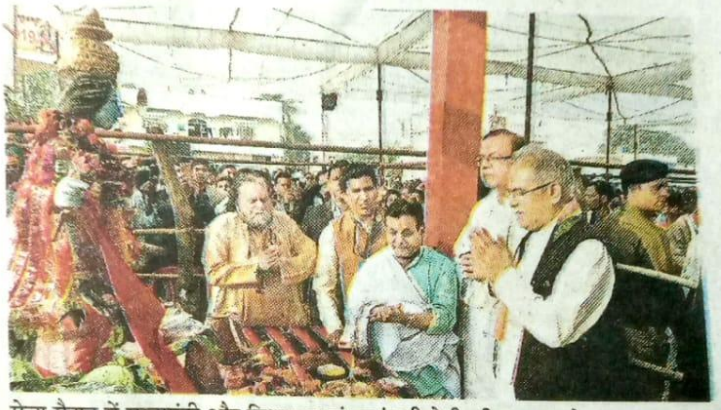

मेला मैदान में मुख्यमंत्री और विधायक मां शाकंभरी देवी की पूजा करते हुए।

किसानों के खाते में अंतर राशि मार्च तक आएगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीब, किसान, मजदूर और प्रदेश के सभी समाज के लोग मजबूत होंगे, तभी छत्तीसगढ़ मजबूत होगा। इसी सोच के साथ प्रदेश के किसानों का 6100 करोड़ रुपए का कृषि ऋण माफ किया गया, साथ ही धान का समर्थन मूल्य प्रति क्विंटल 2500 रुपए किया गया है। समर्थन मूल्य बढ़ने के बाद अंतर राशि किसानों के खाते में मार्च तक पहुंच जाएगी।

Thank you!